



L 213

**Second Year B.A. Examination, May/June 2010**  
**LANGUAGE HINDI (Paper – II)**  
**(Group – I) (Revised SIM Scheme)**  
**DT and ND Texts**

**Texts : पंचवटी, चन्द्रगुप्त, निर्मला, व्याकरण और अनुवाद**

Time : 3 Hours

Max. Marks : 90

**SECTION – A**

- I. “सीता जी प्रेम, ममता, सहृदयता और करुणा की मूर्ति हैं।” ‘पंचवटी’ खण्ड काव्य का सार लिखते हुए उपर्युक्त कथन का समर्थन कीजिए।

15

**अथवा**

‘पंचवटी’ खण्ड काव्य में चित्रित पात्रों का परिचय दीजिए।

- II. ‘चन्द्रगुप्त’ नाटक की संक्षिप्त कथावस्तु लिखते हुए स्पष्ट कीजिए “कि प्रसाद ने इस नाटक को कथोपकथन द्वारा ही सफल बनाया है।”

15

**अथवा**

‘चन्द्रगुप्त’ नाटक के आधार पर अलका और मालवीका की तुलना कीजिए।

**SECTION – B**

- III. ‘निर्मला’ उपन्यास के मार्मिक प्रसंगों का वर्णन कीजिए।

12

**अथवा**

टिप्पणियाँ लिखिए :

i) उपन्यासकार प्रेमचन्द

ii) निर्मला उपन्यास की चरमसीमा।

**P.T.O.**

L 213

-2-



IV. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(6+6=12)

अ) परिवर्तन ही यदि उन्नति है  
तो हम बढ़ते जाते हैं ;  
किन्तु मुझे तो सीधे-सच्चे  
पूर्व भाव ही भाते हैं ॥

अथवा

और कहा - “सब बातें मैं ने,  
सुनी नहीं; तुम रखना याद  
कब से चलता है, बोलो यह  
नूतन शुक-रम्भा-संवाद ?”

आ) शूरवीर होकर अबला को  
देख सुभग, तुम थकित हुए ;  
संस्कृति की स्वभाविकता पर  
चंचल होकर चकित हुए ?

अथवा

नर-कृत शास्त्रों के सब बन्धन  
हैं नारी को ही लेकर  
अपने लिए सभी सुविधाएँ  
पहले ही कर बैठे नर !

V. किन्हीं दो अवतरणों की संप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(5+5=10)

अ) हे भगवान् ! एक बात दया करके और बता दो - शकटार की कन्या सुवासिनी कहाँ है ?

आ) ब्राह्मण हो, भाई ! त्याग और क्षमा के प्रमाण-तपोनिधि ब्रह्मण हो ।

इ) ग्रीक लोग केवल देशों को विजय करके समझ लेते हैं कि लोगों के हृदयों पर अधिकार कर लिया ।



SECTION – C

VI. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

- अ) संयुक्त क्रिया किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । 4
- आ) वर्तमानकाल की परिभाषा लिखते हुए उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए । 4
- इ) तत्पुरुष समास किसे कहते हैं ? उदाहरण के साथ समझाइए । 4
- ई) पद परिचय दीजिए. कोई मधुर स्वर में गा रहा था । 4

VII. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

10

In the medieval age, there were many hurdles on the path of the development of trade. The merchant, who used to send his commodity to far off countries, had to bear in mind the dangers that confronted the journeys on both water and road. But gradually cities developed, their number increased; and gradually trade went on developing.

ಮಧ್ಯಯುಗದಲ್ಲಿ ವ್ಯಾಪಾರದ ಉನ್ನತಿಗೆ ಅನೇಕ ತೊಂದರೆಗಳಿದ್ದವು. ದೂರದ ದೇಶಗಳಿಗೆ ತನ್ನ ಸರಕುಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸುವ ವ್ಯಾಪಾರಿಯು ಜಲಮಾರ್ಗ ಹಾಗೂ ಭೂಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿ ಒದಗುವ ತೊಂದರೆಗಳ ಕಡೆ ಗಮನಹರಿಸಬೇಕಾಗಿತ್ತು. ಆದರೆ ಕ್ರಮೇಣ ನಗರಗಳ ಬೆಳವಣಿಗೆಯಾಯಿತು ಹಾಗೂ ಅವುಗಳ ಸಂಖ್ಯೆ ಸಹ ಹೆಚ್ಚಿತು.